भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या \*3**

(जिसका उत्तर 22 नवम्बर, 2011/01 अग्रहायण, 1933 (शक) को दिया जाना है)

**बैंककारी क्षेत्र की उत्पादकता में सुधार हेतु कार्य-योजना**

\*3. श्री राजीव चन्द्रशेखरः

 क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में बैंककारी क्षेत्र की उत्पादकता में सुधार के लिए कोई कार्य-योजना तैयार की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

वित्त मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी)

**(क) और (ख):** एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

**'बैंककारी क्षेत्र की उत्पादकता में सुधार हेतु कार्य-योजना' के संबंध में श्री राजीव चन्द्रशेखर द्वारा पूछे गए दिनांक 22 नवम्बर, 2011 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न
संख्या \*3 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

**(क) और (ख):** अपने कारबार का विस्तार करते समय अपनी उत्पादकता और दक्षता में सुधार लाने के लिए बैंक अपने बोर्ड द्वारा संचालित नीतियों के द्वारा दिशा-निर्देशित होते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बैंकिंग क्षेत्र लाभप्रद और उत्पादक है, भारतीय रिजर्व बैंक बैंकिंग क्षेत्र के विनियामक तथा पर्यवेक्षक के रूप में इनका निरीक्षण करता है तथा बैंकों की वित्तीय सुदृढ़ता जांच-बिन्दुओं (इंडिकेटर्स) की नियमित रूप से निगरानी करता है। बैंकों का एक संघ है जिसे भारतीय बैंक संघ कहा जाता है, जो भारत में प्रगामी बैंकिंग सिद्धान्तों, पद्धतियों तथा अभिसमयों को प्रोत्साहन तथा बढ़ावा देता है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मुख्य भागीदार के रूप में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की उत्पादकता में सुधार लाने हेतु हाल ही में एक कार्य-योजना भी तैयार की है।

\*\*\*\*\*